[Conference-Composition of Colours :December,2014] ISSN- 2350-0530
DOI: https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v2.i3SE.2014.3663

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

रंग बताएंगे निवेष की सुरक्षा और जोखिम

डॉ. ज्योति मेहता
प्राध्यापक(समाजषास्त्र)
शास. महारानी लक्ष्मीबाई, कन्या स्ना.महाविद्यालय, इन्दौर (म.प्र.)

प्राचीन काल से मानव जीवन में रंगो का महत्व है, लेकिन डिजिटल टेक्नोलॉजी के आगमन के साथ रंगो की पुरी दुनिया ही बहुआयामी हो गई है। अब जिंदगी के अनेक क्षेत्रो में रंगो का उपयोग और महत्व बडता जा रहा है, जो विभिन्न प्रकार के संकेत देते है। अब फाइनेंषियल मार्केट में भी रंगो का महत्व बढने लगा है, विषेषकर म्यूचुअल फंड की योजनाओं में निवेष करते समय उन स्कीमो के लिये दर्षाए गए रंग उस स्कीम की जाखिम का संकेत देते हुए निवेषको का मार्गदर्षन करेंगे। वर्तमान में म्यूचुअल फंड की योजनाओं में निवेष करने वाले निवेषको की संख्या लगभग सुरक्षित रूप से छोटी रकम का निवेष करने वाले निवेषक म्यूचुअल फंड पसंद करते है, जबकी म्यूचुअल फंड अपने निवेषको से जमा की गई रकम का निवेष शेयरो तथा प्रतिभुति बाजार में करते है, जहॉ बाजार से जुडा जाखिम शामिल रहता है। हालांकि कुल मिलाकर सीधे तौर पर किसी शेयर में निवेष करने के मुकाबले म्यूचुअल फंड के जरिए निवेष में इस प्रकार का जाखिम कुछ कम रहता है।

म्यूचुअल फंड की योजनाओं में विभिन्न विविधताएं होती है। प्रत्येक प्रकार के निवेषको के लिए विभिन्न विकल्प उपलब्ध है। म्यूचुअल फंड की प्रत्येक स्कीम के आफर दस्तावेजों में सब कुछ लिखा रहने के बावजूद इसे समझना सामान्य निवेषको के लिये सरल नही होता। छोटे एवं सामान्य निवेषक इन सबको पडने के बाद ही इन स्कीमो में निवेष करते है, इस बात की जानकारी हासिल करना भी कठिन है। म्यूचुअल फंड भी बाजार के जाखिमों के अधिन माना जाता है। कई बार देखा गया है कि निवेषक म्यूचुअल फंड में निवेष करके भी अपनी रकम गवा बेठतें है। अनेक मामलो में म्यूचुअल फंड की स्कीमो के गुणा या विषेषताए बढा चढाकर बतायी जाती है और उनकी मिस सेलिंग भी भारी मात्रा में होती है। ऐसी स्थिति में निवेषको को उस स्कीम के जाखिम के बारे में सही–सही जानकारी कैसे मिले, जिसके आधार पर निवेषक सरलता से इसे समझ सके । पूंजी बाजार की नियामक संस्था सेबी ने इसका सरल उपाय खोजा है ।

सेबी ने जुलाई, 2013 से म्यूचुअल फंड की प्रत्येक स्कीम के ऑफर छस्तावेज या विज्ञापनो पर लेबल और कलर कोड लगाने की आवष्यकता बनाई है, जो उस स्कीम की जोखिम का संकेत देंगे। सेबी के निर्णय के अनुसार नीला रंग स्कीम में कम जोखिम होने का निर्देष करेगा, पीला रंग मध्यम जोखिम दर्षाएगा और ब्राउन (भुरा) रंग ऊंची जोखिम का संकेत देगा। कलर कोड बॉक्स के अतिरिक्त सेबी ने म्यूचुअल फंडो को इस बात की सूचना भी दी है कि वे रंगो के साथ शब्दो ने यह भी लिखे कि यह रंग किस बात का सूचक है। फंड की स्कीम संपत्ति सृजन के लिए है या नियमित आप के लिए उसकी समयावधि कितनी है आदि जैसी जानकारियो के आधार पर जोखिम की मात्रा निर्धारित होती है। इसके अतिरिक्त छोटे–छोटे वाक्यो के जरिए निवेषको को उनके लिए उचित प्रोडक्ट के लिए। उदाहरण के लिए स्कीम इक्टिवटी के लिए या डेब्ट के लिए। इन सब के अलावा ऑफर दस्तावेजो में एक यह डिस्क्लेमर (स्पष्टता) भी प्रकाषित की जाएगी कि यहद निवेषक को उक्त प्रोडक्ट समक्ष मे न आए तो उसे वित्तीय सलाहकार से सलाह लेनी चाहिए।

इस विषय को अधिक स्पष्ट रूप से कहे तो जिस प्रकार स्वास्थ्य संबंधी फूड प्रोडक्ट के पैकेट पर यह लिखा होता है कि उसमें कौन–कौन से तत्व शामिल है, उसमे शक्कर की मात्रा कितनी है आदि ताकि इन जानकारियों के आधार पर इसे सेवन करने या न करने का निर्णय लिया जा सके। इसी प्रकार निवेषको को म्यूचुअल फंड की स्कीम के विषय में रंगो के साथ वह रंग किस बात का प्रतीक है, इसे भी न्युनतम शब्दो में दर्षाया जाएगा। यह स्कीम दीर्घावधि में मुल्यवृद्वि की इच्छा रखने वाले निवेषको के लिए है, इसका निवेष इक्विटी और इक्विटीडे रिवेटिव्स में किया जाएगा, इसमे अधिक जाखिम है आदि बाते स्कीम के साथ बतानी होगी। इस प्रकार रंग तथा संकेतो के आधार पर निवेषको को यह समजना होगा कि यह स्कीम उनके योग्य है या नही। जिस प्रकार डिवेंचर और बांडस जैसे साधनो के लिए रेटिंग(ट्रिपल ए, डबल ए,या सिंगल ए या बी जैसे अक्षर) दी जाती है, उसी प्रकार अब म्यूचुअल फंड की स्कीमों में भी रंग और लेबल के आधार पर उसमे समाविष्ट जोखिम को दर्षाया जाएगा। आषा है कि इन रंगो के आधार पर निवेषको को अपना निवेष निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

रंग इंसान के जीवन का अभिन्न अंग है। यह जीवन के विविध समयों में मानव के साथ चला आ रहा है। इससे एक कदम आगे बढते हुए अब अलग–अलग रंगो के लेबल म्यूचुअल फंड की स्कीमों में निवेषको का मार्गदर्षन करेंगे।